भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 24 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1445 घंटे

विषय: i) गुजरात में 30 अगस्त तक और राजस्थान में 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, साथ ही 24 अगस्त, 2025 को पूर्वी राजस्थान में भी कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

ii) 24 अगस्त को जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में; 24-25 अगस्त, 2025 के दौरान उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

iii) 26 अगस्त, 2025 से पश्चिमी तट पर वर्षा गतिविधि में वृद्धि होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 24 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- जम्मू और कश्मीर, पूर्वी मध्य प्रदेश, पंजाब, सौराष्ट्र और कच्छ, पूर्वी उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, पश्चिमी राजस्थान, ओडिशा, झारखंड, उत्तराखंड, हरियाणा, बिहार और असम में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- मानसून की द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति के निकट चल रही है।
- कल पश्चिम बंगाल के गंगा क्षेत्र और उसके आसपास के क्षेत्रों पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और आज, 24 अगस्त, 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय समयानुसार उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों पर स्थित है।
- उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है जो मध्य क्षोभमंडल स्तर तक विस्तृत है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- निचले क्षोभमंडल स्तरों पर पंजाब के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- पश्चिमी दिशा में एक द्रोणिका के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान और उसके आसपास के क्षेत्रों पर स्थित है।
- अगले 48 घंटों के दौरान ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों के पास उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 24 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 24-26 तारीख के दौरान जम्मू और कश्मीर, हरियाणा; 24-27 तारीख के दौरान राजस्थान; 24-26 तारीख के दौरान पंजाब और 29, 30 तारीख को; 24, 25, 29 और 30 अगस्त को उत्तर प्रदेश; 24 को जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़; 24-25 तारीख के दौरान उत्तराखंड; 24-26 अगस्त के दौरान राजस्थान।
- अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में और अगले 3 दिनों के दौरान आसपास के मैदानी इलाकों में गरज और बिजली के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा और उसके बाद के 4 दिनों के दौरान छिटपुट वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- अगले 6-7 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 24, 25, 29 और 30 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 24 को गंगीय पश्चिम बंगाल; 24, 25 और 30 तारीख को बिहार; 24, 25, 28 और 29 तारीख को झारखंड; 28-30 अगस्त के दौरान विदर्भ; 24 को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़; 25 और 26 अगस्त को ओडिशा में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा।
- अगले 7 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान गुजरात राज्य में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।
- 25-30 तारीख के दौरान कोंकण और गोवा में भारी वर्षा होने की संभावना है; मध्य महाराष्ट्र में 24 और 27-30 अगस्त के दौरान, और कोंकण और गोवा में 28 अगस्त को बहुत भारी वर्षा हो सकती है।
- 25 और 26 अगस्त को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में भारी वर्षा हो सकती है, जबकि 27-29 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।
- अगले 3 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- अगले 3 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज और बिजली के साथ बारिश होने की संभावना है, और उसके बाद के 4 दिनों के दौरान कई स्थानों पर बारिश होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 24 अगस्त से 29 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

अरब सागर:

सोमालिया, ओमान तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में; 24 से 29 अगस्त के दौरान मध्य अरब सागर, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पूर्व अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 24 से 26 अगस्त के दौरान उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 24 अगस्त को गुजरात तटों के साथ और उसके आसपास और 25 अगस्त को दक्षिण गुजरात में; 26 से 29 अगस्त के दौरान महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल तट, लक्षद्वीप; 25 अगस्त को कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों में और 25 से 29 अगस्त के दौरान।

बंगाल की खाड़ी:

24अगस्त और 26 से 29 अगस्त के दौरान ओडिशा के साथ-साथ, 24 अगस्त और 26 से 28 अगस्त के दौरान पश्चिम बंगाल के तटों के साथ-साथ, और 27 अगस्त से 29 अगस्त के दौरान उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के साथ-साथ और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में; 26 अगस्त से 29 अगस्त के दौरान उत्तर और मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में और 28 अगस्त को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में।

ii. 24 से 27 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- पूर्वी राजस्थान: दौसा (दौसा) 29, सपोटरा (करौली) 17, चोमू (जयपुर) 17, कोटपूतली (जयपुर) 13, गंगापुर (सवाई माधोपुर) 13, जामवा रामगढ़ (जयपुर) 13, अलवर (अलवर) 12, मालपुरा (टोंक) 11, सांगानेर (जयपुर) 11, सवाई माधोपुर तसलील (सवाई) माधोपुर) 11, प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़) 11, सावर (अजमेर) 11, बौंली (सवाई माधोपुर) 11, सांभर (जयपुर) 10, चोथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर) 10, पावटा (जयपुर) 10, नादौती (करौली) 10, नारायणा (जयपुर) 10, चाकसू (जयपुर) 10, सिकराय (दौसा) 10, मोजमाबाद (जयपुर) 9, मलारना डूंगर (सवाई माधोपुर) 9, जयपुर हवाई अड्डा (जयपुर) 9, शाहपुरा (जयपुर) 9, हिंडौन (करौली) 8, श्रीमाधोपुर (सीकर) 8, करौली (करौली) 8, बहरोड़ (अलवर) 8, लालसोट (दौसा) 8, अजमेर (अजमेर) 8, खंडार (सवाई माधोपुर) 7, बानसूर (अलवर) 7, दांता रामगढ़ (सीकर) 7, कपासन (चित्तौड़गढ़) 7, मंडरायल (करौली) 7, नीम का थाना (सीकर) 7, सीकर (सीकर) 7, केकड़ी (अजमेर) 7, माउंट आबू तहसील (सिरोही) 7, बस्सी (जयपुर) 7;
- जम्मू, कश्मीर और लद्दाख: जम्मू (जिला जम्मू) 19, जम्मू एयरो (जिला जम्मू) 17, उधमपुर (आईएएफ) (जिला उधमपुर) 14, कटरा (जिला रियासी) 11, सांबा एडब्ल्यूएस (जिला सांबा) 11, चाथा एडब्ल्यूएस (जिला जम्मू) 10, कठुआ (जिला कठुआ) 9;
- पूर्वी मध्य प्रदेश: सीधी (गोपदबनास) (जिला सीधी) 17, देवसेर (जिला सिंगरौली) 14, बेनीबारी (जिला अनुपपुर) 11, डिंडोरी-आवस (जिला डिंडोरी) 11, मोहगांव (जिला मंडला) 11, बहरी (जिला सीधी) 11, सराय (जिला सिंगरौली) 10, अमरपुर (जिला डिंडोरी) 10, उचेहरा (जिला सतना) 10, सतना (रघुराजनगर) (जिला सतना) 9, सिंगरौली-आवास (जिला सिंगरौली) 9, बिजुरी (जिला अनुपपुर) 8, राजनगर (जिला छतरपुर) 7, सिहावल (जिला सीधी) 7, मैहर (जिला सतना) 7, बिलासपुर (जिला उमरिया) 7, गोनौर (जिला पन्ना) 7;
- पंजाब: रणजीत सागर बांध स्थल (जिला पठानकोट) 16, माधोपुर (जिला पठानकोट) 16, शाहपुर कंडी (जिला पठानकोट) 13, फंगोटा (जिला पठानकोट) 13, थीन बांध एडब्ल्यूएस (जिला पठानकोट) 7;
- सौराष्ट्र और कच्छ: भाणवड़ (जिला देवभूमि द्वारका) 16, जामजोधपुर (जिला जामनगर) 13, भेसन (जिला जूनागढ़) 11, कोटदासंगनी (जिला राजकोट) 10, जामकंडोरना (जिला राजकोट) 7, लोधिका (जिला राजकोट) 7, कुटियाना (जिला पोरबंदर) 7;
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: रॉबर्ट्सगंज (जिला सोनभद्र) 13, मिर्ज़ापुर सीडब्ल्यूसी (जिला मिर्ज़ापुर) 11, चुनार (जिला मिर्ज़ापुर) 10, चुर्क (जिला सोनभद्र) 9;
- छत्तीसगढ़: काप्पू (जिला रायगढ़) 13, कुसमी (जिला बलरामपुर) 12, दौरा कोचली (जिला बलरामपुर) 9, चांदो (जिला बलरामपुर) 8, अंबिकापुर (जिला सरगुजा) 8, मनेंद्रगढ़ (जिला मनेंद्रगढ़ भरतपुर) 7, पौडी उपरोरा (जिला कोरबा) 7, पेंड्रा रोड (जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही) 7, मुकडेगा (जिला) रायगढ़) 7, बलरामपुर (जिला बलरामपुर) 7, भटगांव (जिला सूरजपुर) 7, सामरी (जिला बलरामपुर) 7;
- पश्चिमी मध्य प्रदेश: भितरवार (जिला ग्वालियर) 12, डबरा (जिला ग्वालियर) 12, चीनोर (जिला ग्वालियर) 11, बड़ी (जिला रायसेन) 10, सबलगढ़ (जिला मुरैना) 9, बरेली (जिला रायसेन) 9, कुंभराज (जिला गुना) 8, विजयपुर (जिला श्योपुर) 8, उदयपुरा (जिला रायसेन) 7, नरवर (जिला) शिवपुरी)7:
- हिमाचल प्रदेश: पंडोह (जिला मंडी) 12, कसौली (जिला सोलन) 11, मंडी (जिला मंडी) 7, करसोग (जिला मंडी) 7;
- गुजरात क्षेत्र: दांता (जिला बनासकांठा) 11, नांदोद (जिला नर्मदा) 10, पालनपुर (जिला बनासकांठा) 9, व्यारा (जिला तापी) 9, राजपीपला (जिला नर्मदा) 9, विजयनगर (जिला साबरकांठा) 8, गरुड़ेश्वर (जिला नर्मदा) 8, उकाई (जिला सूरत) 8, खेडब्रह्मा (जिला साबरकांठा) 8, सोनगढ़ (जिला तापी) 7, सिनोर (जिला वडोदरा) 7, धरमपुर (जिला वलसाड) 7, विसनगर (जिला मेहसाणा) 7, पोशिना (जिला साबरकांठा) 7, क्वांट (जिला छोटा उदेपुर) 7, तिलकवाड़ा (जिला नर्मदा) 7;

- पश्चिमी राजस्थान: मकराना (नागौर) 11, नावा (नागौर) 11, मेड़ता सिटी (नागौर) 8;
- ओडिशा: तेनसा (जिला सुंदरगढ़) 11, बांसपाल (जिला क्योंझरगढ़) 11, क्योंझरगढ़ (जिला क्योंझरगढ़) 9, डेराबीस (जिला केंद्रपाड़ा) 9, तेलकोई (जिला क्योंझरगढ़) 7;
- झारखंड: आनंदपुर (जिला पश्चिमी सिंगभूम) 9, जगरनाथपुर (जिला पश्चिमी सिंगभूम) 7, कुरडेग (जिला सिमडेगा) 7;
- उत्तराखंड: लोहारखेत (जिला बागेश्वर) 9, उत्तर काशी (सीडब्ल्यूसी) (जिला उत्तरकाशी) 9, उत्तर काशी (जिला उत्तरकाशी) 7;
- हरियाणा: कनीना (जिला महेंद्रगढ़) 9, मनेठी रेव (जिला रेवाडी) 7, रेवाडी (जिला रेवाडी) 7;
- बिहार: रोहतास (जिला रोहतास) 8, फ़तेहपुर (जिला गया) 8, राजपुर (जिला बक्सर) 6, बलछी (जिला पटना) 6;
- असम: धूपधारा अर्ग (जिला गोलपाड़ा) 7;
- दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (जिला मध्य दिल्ली) 5, दिल्ली रिज (जिला मध्य दिल्ली) 4, लोदी रोड (जिला दक्षिण पूर्वी दिल्ली) 4, सफदरजंग (जिला दक्षिण पूर्वी दिल्ली) 4;

अनुलग्नक II

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	24- Aug	25- Aug	26- Aug	27- Aug	28- Aug	29- Aug	30- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	WS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	WS
7	ODISHA	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
14	PUNJAB	WS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	SCT	WS	SCT	ISOL	ISOL	SCT
17	WEST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	SCT	WS	WS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	WS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	ISOL	SCT	WS	WS	WS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

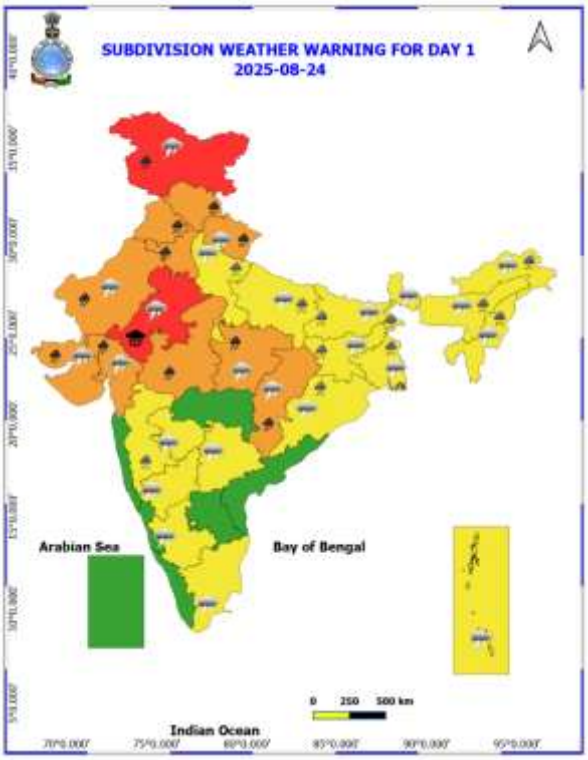
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-24
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

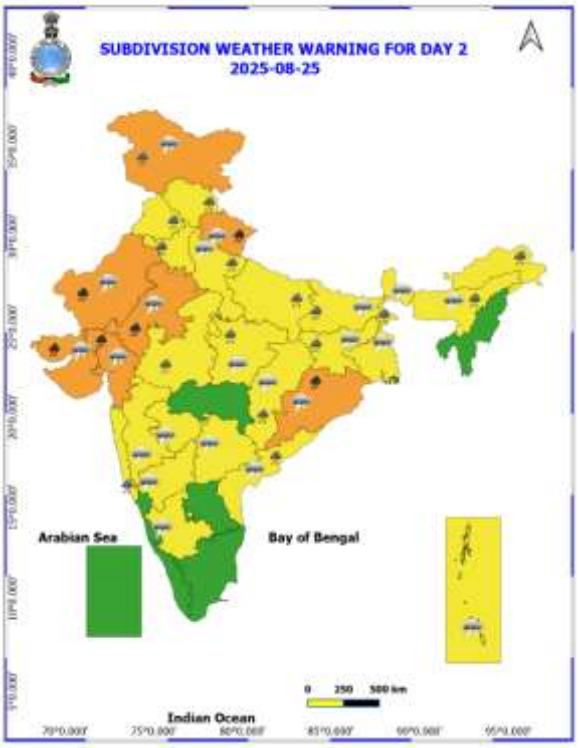
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-25
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

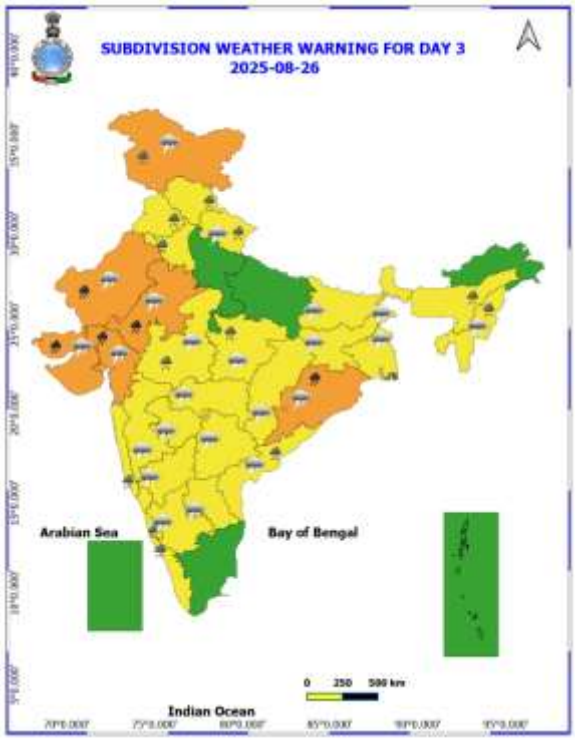
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-26
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

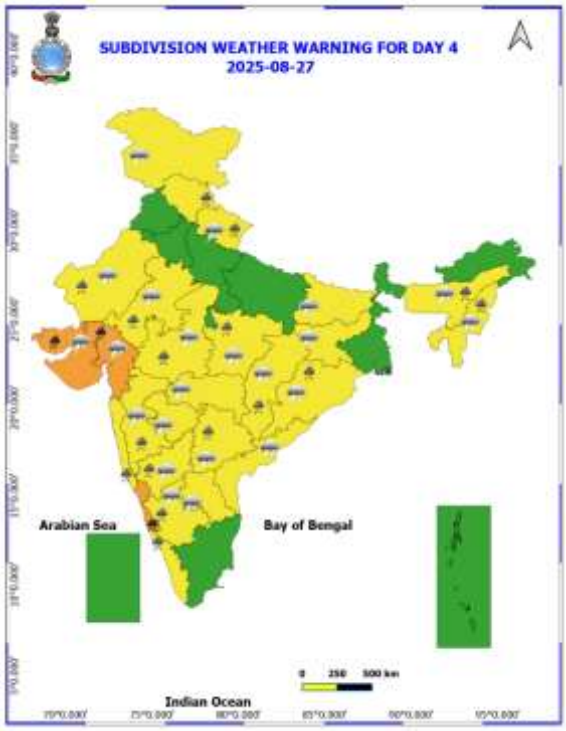

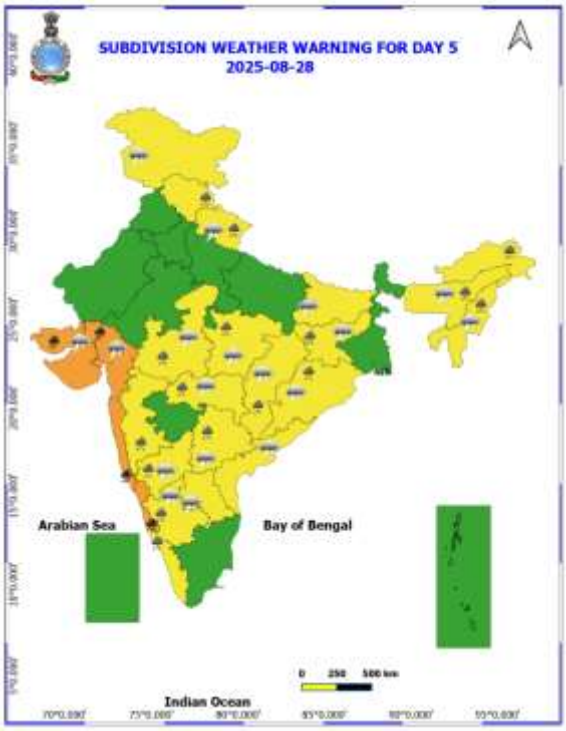

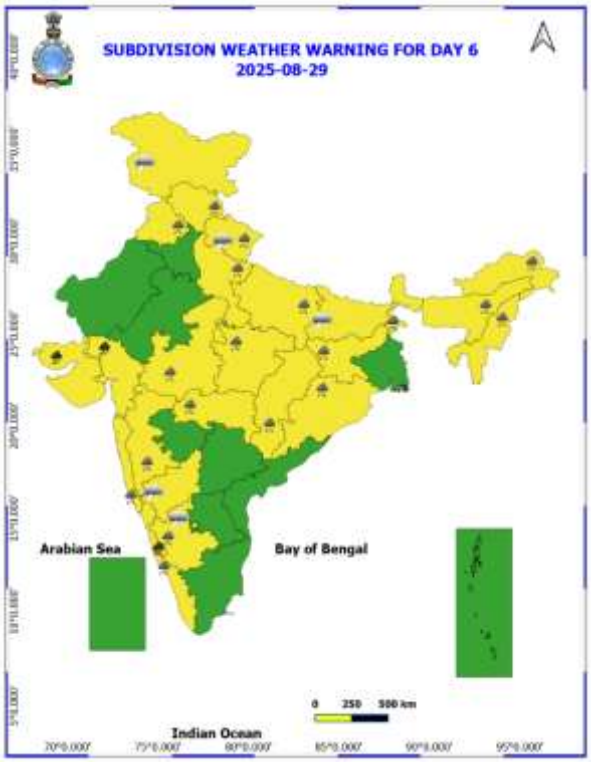

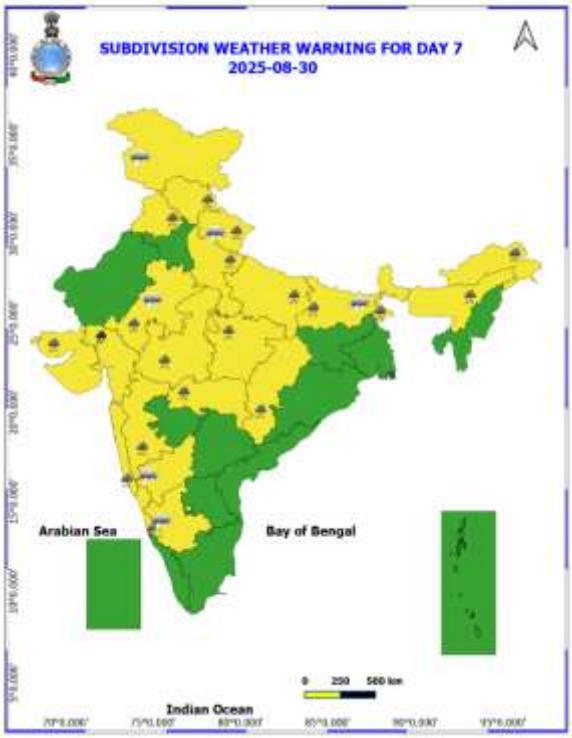

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

24 अगस्त से 27 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:
पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1-2°C तक की गिरावट दर्ज की गई है और अधिकतम तापमान में 1°C तक कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35°C और 23 से 25°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-3°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पूर्व/पूर्व दिशा से 14 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवा के साथ आमतौर पर बादल छाए रहे। दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर मध्यम वर्षा दर्ज की गई। आज दोपहर में इस क्षेत्र में आमतौर पर बादल छाए रहे और पूर्व दिशा से 18 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवा चली।

मौसम पूर्वानुमान:
24.08.2025: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। कई स्थानों पर एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, जबकि दोपहर/शाम के समय कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवा की प्रमुख सतही हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति घटकर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

25.08.2025: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32°C और 21 से 23°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 22 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

26.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33°C और 21 से 23°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है

27.08.2025: आसमान में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 22 से 24°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 24 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में अत्यधिक भारी वर्षा।
- 24 अगस्त को जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में अत्यधिक भारी वर्षा; 24-25 अगस्त के दौरान उत्तराखंड; 24-26 अगस्त के दौरान राजस्थान; 25 और 26 अगस्त को ओडिशा, 24-30 अगस्त के दौरान गुजरात राज्य, 27-29 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- पूर्वी राजस्थान में, दक्षिण-पूर्वी आर्द्र मैदानी क्षेत्र में धान, मक्का, सोयाबीन, उड़द और मूंगफली के खेतों से; बाढ़ प्रवण पूर्वी मैदानी क्षेत्र में बाजरा, ज्वार, मक्का, मूंग, उड़द, मोठ, तिल और ग्वार के खेतों से; अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र में मूंगफली, मूंग, मोठ, लोबिया, बाजरा, मक्का, ज्वार और सब्जियों के खेतों से; उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान और अरावली पहाड़ी क्षेत्र में सब्जी की नर्सरियों, मक्का, सोयाबीन और मूंगफली के खेतों से तथा दक्षिणी आर्द्र मैदानी क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का और कपास के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की उचित व्यवस्था करें। पश्चिमी राजस्थान में, शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में बाजरा, मूंग और ग्वार के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालने का प्रावधान करें।
- गुजरात में, भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों, सब्जियों और नए फलों के पौधों को सहारा प्रदान करें। दक्षिण गुजरात भारी वर्षा क्षेत्र में धान, गन्ना, सब्जियों और कंद फसलों के खेतों से; दक्षिण सौराष्ट्र क्षेत्र में मूंगफली, कपास, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल और अरहर के खेतों से; भाल और तटीय क्षेत्र में धान, कपास, मूंग, उड़द, अरहर, बाजरा और सब्जियों के खेतों से; उत्तर गुजरात क्षेत्र में अरंडी, कपास, मूंगफली, बाजरा और तिल के खेतों से; मध्य गुजरात क्षेत्र में धान, बाजरा, अरहर, मूंग, उड़द, कपास, सोयाबीन, मक्का, अरंडी और सब्जियों के खेतों से; दक्षिण गुजरात क्षेत्र में धान, कपास, गन्ना और अरहर के खेतों से; उत्तर सौराष्ट्र क्षेत्र में मूंगफली, कपास, तिल, उड़द, मूंग, अरहर और अरंडी के खेतों से तथा उत्तर पश्चिम क्षेत्र में खरीफ मूंगफली, कपास, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल, अरहर और अरंडी के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- गांगेय पश्चिम बंगाल में, लैटेराइट और लाल मृदा क्षेत्र में धान और मूंगफली के खेतों में; नवीन जलोढ़ क्षेत्र में धान, जूट और सब्ज़ियों के खेतों में तथा तटीय लवणीय क्षेत्र में पान के बगीचों एवं नई रोपी गई शीतकालीन सब्जियों में उचित जल निकासी

सुनिश्चित करें। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में अमन धान और सब्ज़ियों (मिर्च, करेला, परवल, भिंडी, बैंगन आदि) के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें और मिर्च के पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए उन्हें प्लास्टिक से ढक दें।

- ओडिशा में, उत्तर मध्य पठारी क्षेत्र में धान, मक्का, उड़द और सब्जियों के खेतों से; उत्तर पूर्वी पठारी क्षेत्र में रागी, दालों, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से; उत्तर पूर्वी तटीय मैदानी क्षेत्र में धान एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों से; पश्चिम मध्य समतल भूमि क्षेत्र में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों से तथा मध्य समतल भूमि क्षेत्र में मक्का, मूंगफली, तिल, अरहर और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। क्योंझर जिले में मूंग और उड़द की बुवाई तथा टमाटर की नर्सरी बुवाई एवं रोपाई स्थगित रखें।
- बिहार में, दक्षिण बिहार जलोढ़ क्षेत्र में अरहर, हल्दी, शकरकंद, सूरजमुखी और मक्का जैसी खड़ी फसलों के साथ-साथ सब्जियों की नर्सरियों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालने हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- झारखंड में, पश्चिमी पठारी क्षेत्र में धान, मक्का, उड़द, मूंग, कंद फसलों और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें तथा भारी बारिश से बचाने के लिए सब्जी के पौधों को पॉलीथीन से ढक दें।
- मध्य प्रदेश में, मालवा पठार क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में; गिर्द क्षेत्र में मक्का, सोयाबीन, मूंग, उड़द, अरहर और सब्जियों के खेतों में; क्यमोर पठार और सतपुड़ा पहाड़ी क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में; बुंदेलखंड क्षेत्र में सोयाबीन, मूंग, उड़द और मक्का के खेतों में तथा विंध्य पठार क्षेत्र में सोयाबीन और सब्जियों के खेतों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएँ प्रदान करें।
- छत्तीसगढ़ में, उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र में धान और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें तथा निचले भूमि क्षेत्रों में धान की नई रोपाई स्थगित करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र में अदरक, हल्दी और मक्का के खेतों में तथा उप-पर्वतीय एवं निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र में, पके हुए टमाटरों की कटाई करें और मक्का, राजमा, सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- उत्तराखंड में, पहाड़ी क्षेत्र में सोयाबीन, मक्का, दालों, रागी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में; उप-आर्द्र उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में सनवा, रागी और मूंग के खेतों में तथा भाबर और तराई क्षेत्र में धान, मूंग, उड़द, गन्ना, मक्का, सोयाबीन, मूंगफली और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- पंजाब में, लहरदार मैदानी क्षेत्र में मिर्च के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और वर्षा के तुरंत बाद रुके हुए वर्षा जल की निकासी करें। उप-पर्वतीय लहरदार क्षेत्र में गन्ना, मक्का, सोयाबीन और मूंग के खेतों में तथा मध्य मैदानी क्षेत्र में गन्ना, मक्का और कपास के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- हरियाणा में, पूर्वी क्षेत्र में गन्ना, कपास, मक्का, बाजरा और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- मेघालय में अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में उचित जल निकासी बनाए रखें। केले के पौधों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें। धान के खेतों में रोपाई के बाद 2 से 3 सेंटीमीटर स्थिर जल की परत बनाए रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और 5 से 7 सेंटीमीटर जलस्तर बनाए रखें। रागी, केला और सब्जियों में जल निकासी चैनल बनाए रखें। कटाव रोकने और अंकुरों को बह जाने से रोकने के लिए बाजरा के खेतों में मेड़ों को मजबूत करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।

- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

25-08-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। जम्मू और कश्मीर और लद्दाख - डोडा, जम्मू कठुआ, कारगिल, लेह, किश्तवाड़, मीरपुर, रामबन, रियासी, राजौरी, सांबा और उधमपुर जिले। हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, लाहुल और स्पीति, मंडी, कुल्लू, शिमला और सिरमौर जिले। उत्तराखंड-अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, नैनीताल, पौडी गढ़वाल, पिथौरागढ, रूद्रप्रयाग, टेहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	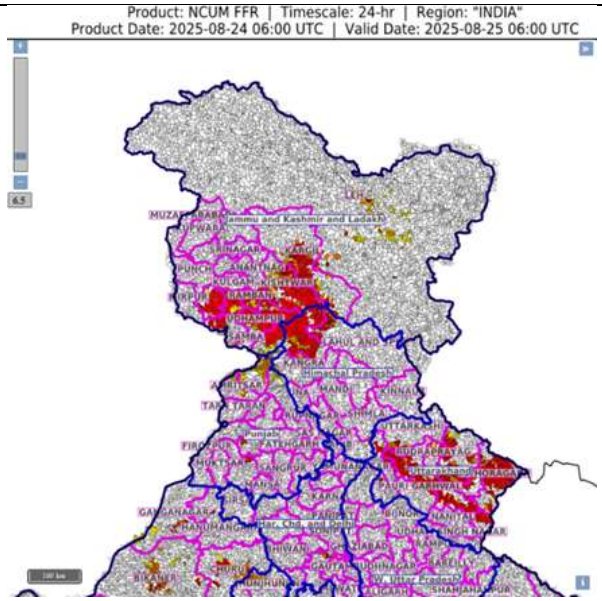
25-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम विभाग उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। पश्चिम मध्य प्रदेश - भिंड, ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी और श्योपुर जिले। पूर्वी राजस्थान - अजमेर, अलवर, बूंदी, भीलवाड़ा, धौलपुर, दौसा, उदयपुर, करौली, टोंक और सवाई माधोपुर जिले। पश्चिम राजस्थान - बीकानेर, चूरू, पाली, नागौर, जोधपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जिले।	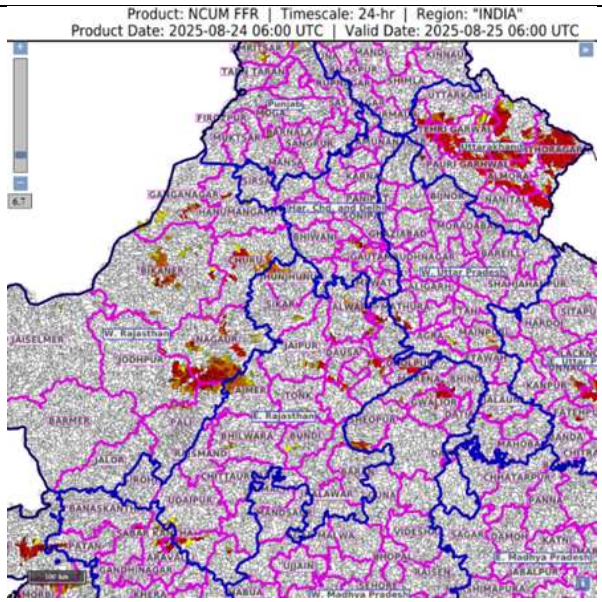

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

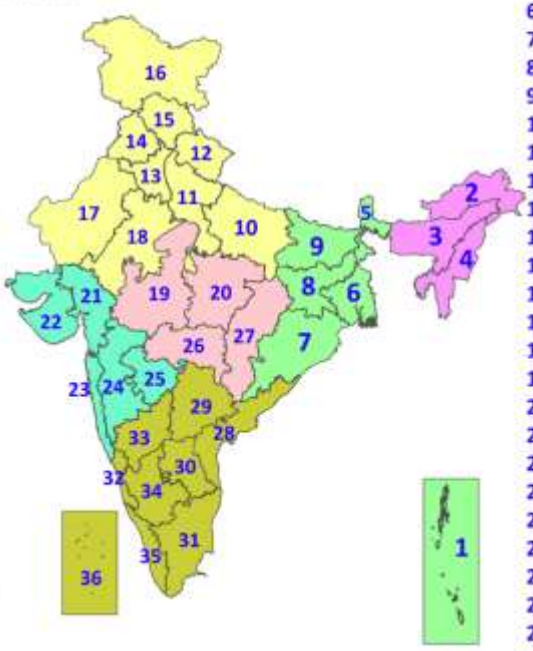

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)